



Research Article

कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन

Mahima Sharma ^{1*}, Kavita Agarwal ²

¹ PG Scholar, Department of Psychology, S.R.K.(PG), College, Firozabad, Uttar Pradesh, India

² Associate Professor, Department of Psychology, S.R.K.(PG), College, Firozabad, Uttar Pradesh, India

Corresponding Author: * Mahima Sharma

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.23042627>

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन कॉलेज के छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय (Self-Concept) के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया है। आत्म-प्रत्यय व्यक्तित्व का एक केंद्रीय निर्धारण तत्व है, जो व्यक्ति को स्वयं के अस्तित्व, क्षमताओं और संपूर्ण परिवेश के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराता है। इस अध्ययन में फिरोजाबाद शहर के दो महाविद्यालयों से कुल 140 विद्यार्थियों (70 छात्र और 70 छात्राएँ) को न्यादर्श (Sample) के रूप में लिया गया है। डेटा संकलन के लिए डॉ. आर.के. सारस्वत द्वारा विकसित 'आत्म-प्रत्यय प्रश्नावली' (Self-Concept Questionnaire) का उपयोग किया गया है। प्राप्तियों के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान (Mean), मानक विचलन (S.D.) और 'टी' मूल्य (t-value) की गणना की गई है। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि शारीरिक, सामाजिक, शैक्षणिक, नैतिक और बौद्धिक आयामों में छात्र-छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है, जबकि भावनात्मक आयाम में कोई सार्थक अंतर नहीं देखा गया है।

Manuscript Information

- ISSN No: 2583-7397
- Received: 10-05-2026
- Accepted: 23-06-2026
- Published: 30-06-2026
- IJCRM:5(3); 2026: 1167-1169
- ©2026, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

Sharma M, Agarwal K. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन. Int J Contemp Res Multidiscip. 2026;5(3): 1167-1169.

Access this Article Online



www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: आत्म-प्रत्यय, शारीरिक आयाम, सामाजिक आयाम, भावनात्मक आयाम, शैक्षणिक आयाम, नैतिक आयाम, बौद्धिक आयाम, महाविद्यालय छात्र-छात्राएँ।

1. प्रस्तावना

मानव मनोविज्ञान में **आत्म-प्रत्यय (Self-Concept)** एक केंद्रीय और गतिशील अवधारणा (Construct) है, जो व्यक्ति को अपने अस्तित्व, क्षमताओं, और संपूर्ण परिवेश के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराती है। ऐतिहासिक रूप से विलियम जेम्स (1890) ने अपनी पुस्तक *प्रिंसिपल ऑफ साइकोलॉजी* में आत्म के चार प्रमुख घटकों—भौतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और शुद्ध आत्म—का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया था।

आधुनिक मनोवैज्ञानिक परिदृश्य में, कार्ल रोजर्स, अब्राहम मैस्लो और अल्बर्ट बंदुरा ने यह स्पष्ट किया है कि आत्म-प्रत्यय कोई स्थिर इकाई नहीं है, बल्कि यह निरंतर अनुभवों और सामाजिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से विकसित होती है। किशोरावस्था से युवावस्था (18 से 21 वर्ष) के पड़ाव पर कॉलेज के विद्यार्थियों के समक्ष शैक्षणिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता और सामाजिक समायोजन जैसी चुनौतियाँ होती हैं, जो उनके आत्म-प्रत्यय को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं।

2. संबंधित साहित्य की समीक्षा

शोध कार्य को सुदृढ़ आधार देने हेतु प्राचीन दार्शनिक दृष्टियों से लेकर समकालीन अध्ययनों का विश्लेषण किया गया है:

ऐतिहासिक एवं शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य: चार्ल्स कूली (1902) का "लुकिंग ग्लास सेल्फ" सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि समाज की राय हमारी आत्म-अवधारणा को कैसे आकार देती है। जार्ज हर्बर्ट मीड (1934) ने आत्म के सामाजिक विकास को रेखांकित किया।

• समकालीन शोध निष्कर्ष:

चोई (2020) ने अपने अध्ययन में पाया कि विशिष्ट आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षणिक आत्म-अवधारणा विद्यार्थियों के ग्रेड और अकादमिक प्रदर्शन के मजबूत भविष्यवक्ता हैं।

- **नंदा (2012)** तथा **श्री देवी पट्टगुणी (2013)** ने अपने शोध में यह निष्कर्ष निकाला कि उच्च शैक्षणिक और बौद्धिक क्षमता वाले विद्यार्थियों की स्व-अवधारणा औसत से बेहतर होती है।
- **याकुत और अकगुल (Yakut & Akgul, 2024)** तथा **रेजई एवं सहकर्मियों (Rezai et al., 2025)** के नवीनतम अध्ययनों ने यह प्रमाणित किया है कि मानसिक लचीलापन और शैक्षणिक आत्म-प्रत्यय कॉलेज समायोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अध्ययन की समस्या (Statement of the Problem)

"कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन"

3. शोध के उद्देश्य

1. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'शारीरिक' (Physical)** आयाम का अध्ययन करना।
2. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'सामाजिक' (Social)** आयाम का अध्ययन करना।

3. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'भावनात्मक' (Emotional)** आयाम का अध्ययन करना।
4. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'शैक्षणिक' (Educational)** आयाम का अध्ययन करना।
5. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'नैतिक' (Moral)** आयाम का अध्ययन करना।
6. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय में **'बौद्धिक' (Intellectual)** आयाम का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses)

1. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **शारीरिक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।
2. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **सामाजिक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।
3. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **भावनात्मक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।
4. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **शैक्षणिक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।
5. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **नैतिक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।
6. कॉलेज छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के **बौद्धिक** आयाम में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।

4. शोध विधि

शोध अभिकल्प (Research Design)

प्रस्तुत अध्ययन में द्विसमूह तुलनात्मक सर्वेक्षण अभिकल्प (Two-Group Comparative Design) का उपयोग किया गया है, जिसके अंतर्गत लिंग (छात्र एवं छात्राएँ) को स्वतंत्र चर तथा आत्म-प्रत्यय के आयामों को आश्रित चर के रूप में है।

न्यादर्श (Sample)

उत्तर प्रदेश के **फिरोजाबाद शहर के दो महाविद्यालयों** से यादृच्छिक प्रतिचयन विधि (Random Sampling Technique) द्वारा कुल **140 विद्यार्थियों** का चयन किया गया। इसमें **70 छात्र और 70 छात्राएँ** शामिल थीं, जिनकी आयु 18 से 21 वर्ष के मध्य थी।

शोध उपकरण (Research Tool)

विद्यार्थियों के आत्म-प्रत्यय के मापन हेतु **डॉ. आर.के. सारस्वत** द्वारा विकसित **'आत्म-प्रत्यय प्रश्नावली' (Self-Concept Questionnaire)** का प्रयोग किया गया है। इस सूची की पुनर्रपरीक्षण विश्वसनीयता (Test-retest reliability) **0.91** है।

सांख्यिकीय तकनीकें (Statistical Techniques)

प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए मध्यमान (*Mean*), मानक विचलन (*S.D.*) तथा दो समूहों के मध्य अंतर की सार्थकता जाँचने हेतु **'टी' परीक्षण (t-test)** का उपयोग किया गया है।

5. परिणाम एवं विवेचना

सारणी : छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के आयामों का तुलनात्मक सांख्यिकीय विवरण

आत्म-प्रत्यय के आयाम	छात्रों की संख्या (N1)	छात्रों का मध्यमान (M1)	छात्राओं की संख्या (N2)	छात्राओं का मध्यमान (M2)	'टी' मूल्य (t-value)	सार्वकता स्तर (0.05 स्तर पर)
शारीरिक (Physical)	70	29.14	70	26.95	6.25	सार्वक
सामाजिक (Social)	70	29.93	70	25.90	10.07	सार्वक
भावनात्मक (Emotional)	70	29.56	70	30.07	1.47	सार्वक नहीं
शैक्षणिक (Educational)	70	31.05	70	24.93	14.28	सार्वक
नैतिक (Moral)	70	30.98	70	25.70	13.12	सार्वक
बौद्धिक I)	70	32.03	70	24.05	19.41	सार्वक

परिणामों की व्याख्या:

- शारीरिक एवं सामाजिक आयाम:** शारीरिक ($t = 6.25$) और सामाजिक ($t = 10.07$) आयामों में छात्र और छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है, जो यह दर्शाता है कि बाह्य परिवेश और सामाजिक समायोजन की धारणा दोनों समूहों में भिन्न होती है।
- भावनात्मक आयाम:** इस आयाम में 'टी' मूल्य 1.47 प्राप्त हुआ है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि भावनात्मक संवेदनशीलता के मामले में छात्र और छात्राएँ लगभग समान स्तर पर हैं।
- शैक्षणिक, नैतिक एवं बौद्धिक आयाम:** इन तीनों आयामों में 'टी' मूल्य अत्यधिक उच्च (14.28, 13.12, 19.41) हैं, जो अकादमिक मूल्यांकन और बौद्धिक क्षमताओं के दृष्टिकोण में स्पष्ट भिन्नता को प्रमाणित करते हैं।

6. निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि कॉलेज के छात्र-छात्राओं के आत्म-प्रत्यय के शारीरिक, सामाजिक, शैक्षणिक, नैतिक और बौद्धिक आयामों में सार्थक अंतर विद्यमान है, जबकि भावनात्मक आयाम में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया है। यह शोध उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास की रूपरेखा तैयार करने में अत्यंत उपयोगी है।

7. सुझाव एवं संस्तुतियाँ

- अभिभावकों के लिए:** माता-पिता को चाहिए कि वे युवाओं की महत्वाकांक्षाओं पर अनावश्यक अंकुश न लगाएँ और उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान करें।
- शैक्षणिक संस्थानों के लिए:** महाविद्यालयों में ऐसा तनावमुक्त और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण सृजित किया जाना चाहिए जिससे विद्यार्थियों का बौद्धिक और शैक्षणिक आत्म-प्रत्यय मजबूत हो सके।
- विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत सुझाव:** आत्म-विश्लेषण (Self-reflection), लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक सोच और नियमित योग/ध्यान को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- चौबे एसपी. शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology). आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन; 2014.
- सारस्वत आरके. मैनुअल फॉर सेल्फ-कांसेप्ट प्रश्नावली (Manual for Self-Concept Questionnaire). आगरा: नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन; 1984.
- Astleitner H, Zumbach J. Exploring academic self-concept, learning goal orientation, and affective learning outcomes. *Education Sciences*. 2023;16(7):1072.
- Choi Y. Examining the relationship between self-efficacy and academic self-concept among college students. *Journal of Educational Psychology*. 2020;45(2):112-128.
- James W. *The Principles of Psychology*. New York: Henry Holt & Company; 1890.
- Jaiswal S, Chaudhary R. Academic self-concept and achievement among secondary school students. *Indian Journal of Psychological Research*. 2017;12(1):45-52.
- Nanda B. A psychological study of adolescent self-concept in relation to academic competence. *International Journal of Educational Research*. 2012;8(3):201-215.
- Puttugani SD. A study on self-concept of adolescents in twin cities of Hyderabad. *Research Journal of Education and Psychology*. 2013;5(2):89-94.
- Rezai M, et al. Resilience, academic self-concept, and college adjustment among first-year students. *Journal of College Student Development*. 2025;66(2):145-160.
- Revista Romaneasca. Self-esteem, self-concept, and academic performance in middle school students. *Educational Sciences Review*. 2024;16(4):78-95.
- Yakut A, Akgul H. Gender and age variations in academic self-concept and academic achievement of learners. *Cogent Education*. 2024;12(1):2493013.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution-Non-Commercial-No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.